

Moderated
Centre

Set - A

Subject code 112/212/312

COPYRIGHT RESERVED

Intermediate Examination 2025 (Annual)

कुल प्रश्नों की संख्या: 100+7 = 107
Total Questions: 100+7 = 107

Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable
परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।

Figures in the Margin indicate full marks

दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।

Time: 3 Hours 15 Minutes
समय: 3 घंटे 15 मिनट

LH - Bhoj Pura

Full Marks: 100
पूर्णांक: 100

Verified
3.12.2024
3/12/2024

प्रश्न संख्या

J. Sc., J. Com. & J. A.

प्रश्न के लिए अंक

	परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :-	
1.	परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।	
2-3	दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।	
3-4	इस प्रश्नको हलपूर्वक पढ़ने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।	
4	परीक्षार्थी OMR उत्तर-पत्रक पर अपना प्रश्न-पुरतिका क्रमांक (10 अंकों का) अवश्य लिखें।	
5.	यह प्रश्न-पुरतिका दो खंडों में है - खंड-अ एवं खंड-ब।	
6.	खंड-अ में 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जिनमें से किसी 50 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। 50 प्रश्नों से अधिक का उत्तर देने पर प्रथम 50 का ही मूल्यांकन होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है। इनका उत्तर देने के लिए उपलब्ध कराये गये OMR उत्तर-पत्रक में दिये गये सही विकल्प को नीले/काले बॉल पेन से प्रगाढ़ करें। किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण/तरल पदार्थ/ग्लेड/नाखून आदि का OMR उत्तर-पत्रक में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होगा।	
7.	खंड-ब में कुल 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के समझा अंक निर्धारित हैं।	
8.	किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है।	

	प्रश्न संख्या 1 से 100 तक के प्रत्येक वस्तुनिष्ठ प्रश्न के साथ चार विकल्प दिये जाते हैं, जिनमें से कोई एक सही है। इन 100 प्रश्नों में से किन्हीं 50 प्रश्नों के अपने द्वारा चुने गए सही विकल्प को OMR उत्तर-पत्रक पर चिह्नित करें —
	नीचे दिए गए प्रश्नों में से सही उत्तर चुनें —
क.	चरनीदास के भगति रहे —
	(A) सगुन (B) निरगुन
	(C) (A) आ (B) <u>दूनों</u> (D) कवनो ना
2	कबीरदास के भगति रहे —
	(A) सगुन (B) निरगुन
	(C) (A) आ (B) <u>दूनों</u> (D) कवनो ना
3	चरनीदास के निरखल ग्रंथ है
	(A) प्रेम-प्रकाश (B) शब्द-प्रकाश
	(C) (A) आ (B) <u>दूनों</u> (D) कवनो ना
4	कबीरदास के ग्रंथ है —
	(A) पदावली (B) सूरसागर
	(C) सतसई (D) बीजक
5	चरनीदास कइसन कवि खानीं है
	(A) सिंगार कवि (B) भक्त कवि
	(C) <u>प्रकृति</u> कवि (D) वीर रस कवि
	<u>हास्य</u>

1 X 50

50 X 1 = 50

6	कबीरदास के ईश्वर खानी—
	(A) साकार (B) निराकार
	(C) (A) आ (B) दुनी (D) कवनीना
7	चरनीदास के ईश्वर खानी—
	(A) साकार (B) निराकार
	(C) (A) आ (B) दुनी (D) कवनीना
8	कबीरदास कइसन कवि खानीं ?
	(A) संस्कृत संत कवि (B) शिंजार कवि
	(C) प्रकृति हास्य कवि (D) वीर कवि
9	कबीरदास के जन्म जन्म कएकौं मइल रहे ?
	(A) दिल्ली (B) कोलकाता
	(C) छपरा (D) बनारस
10	कबीरदास जी कवन काल के कवि रहीं ?
	(A) आदि काल (B) भक्ति काल
	(C) शीति काल (D) आधुनिक काल
11	चरनीदास कवन काल के कवि रहीं ?
	(A) आदि काल (B) भक्ति काल
	(C) शीति काल (D) आधुनिक काल
12	त्रिभुक्त राम कइसन कवि खानीं ?

	(A) सत कवि	(B) प्रकृति कवि
	(C) वीर कवि	(D) सिंगार कवि
13	मिनक राम जी संस्थापक रही—	
	(A) लक्ष्मी-संप्रदाय	(B) सरभंगा-संप्रदाय
	(C) भ्रमौर-संप्रदाय	(D) सरवी-संप्रदाय
14	कबीरदास संस्थापक रही—	
	(A) नानक-पंथ	(B) दादू-पंथ
	(C) कबीर-पंथ	(D) शकलसा-पंथ
15	'जोंक' केकर प्रतीक है—	
	(A) दयालु के	(B) देशभगत के
	(C) समाज सुधारक के	(D) शोषक के
16	'जोंक' के मुख्य पात्र हवे—	
	(A) बुभावन महतो	(B) सिरतन लाल
	(C) नोहर राउत	(D) कवनौ ना
17	'जोंक' के विधा है—	
	(A) कविता	(B) रकांकी
	(C) कहानी	(D) आलोचना
18	'जोंक' के निरवनिहार बानी—	
	(A) रामेश्वर सिंह काश्यप	(B) डॉ० सत्येन्द्र सुमन

	(C) शकुल सांकृत्यायन	(D) डॉ० हृदय नारायण तिवारी
19	'फिरंगिया' केकस कदम जाला है	
	(A) रसियन के	(B) अमेरिकन के
	(C) फ्रेंच के	(D) ऑस्ट्रेलियन के
20	'फिरंगिया' कदवाँ के रहनिहार रहन सन है	
	(A) रूस	(B) अमेरिका
	(C) फ्रांस	(D) इंग्लैंड
21	'फिरंगिया' रचना के विधा ह —	
	(A) निबंध	(B) कहानी
	(C) समीक्षा	(D) कविता
22	'फिरंगिया' रचना के लिखनिहार बानी —	
	(A) महेंद्र शास्त्री	(B) मनोहरजन प्रसाद सिन्हा
	(C) राम नाथ पांडेय	(D) सूर्यदेव पाठक
23	'मछरी' रचना के विधा ह —	
	(A) कविता	(B) कहानी
	(C) नाटक	(D) उपन्यास
24	'मछरी' रचना के लिखनिहार बानी —	
	(A) भगवत शरण उपाध्याय	(B) राम नाथ पाठक
	(C) शैलेंद्र नाथ श्रीवास्तव	(D) रामेश्वर सिंह काश्यप

25	'मच्छरी' ^{रचना} के नायिका हैं —
	(A) पद्मामती (B) कुलमती
	(C) कुली (D) सुमती
26	'अद्भूत की शिकायत' ^{रचना} के विधा हैं —
	(A) कविता (B) कहानी
	(C) यात्रा-वृत्त (D) जीवनी
27	'अद्भूत की शिकायत' ^{रचना} के रचनाकार बानी हैं —
	(A) जंगल प्रसाद अरुण (B) हीरा डीम
	(C) उषा वर्मा (D) हरि शंकर वर्मा
28	'अद्भूत की शिकायत' ^{रचना} में ^{या} प्रधानता है —
	(A) युवा-चेतना (B) नारी-चेतना
	(C) किसान-चेतना (D) फलित-चेतना
29	'पारन' ^{रचना} के विधा हैं —
	(A) संस्मरण (B) भाषण
	(C) आत्मकथा (D) शब्द-चित्र
30	'पारन' ^{रचना} के रचनाकार बानी हैं —
	(A) डॉ० उषा वर्मा (B) डॉ० जगदत्त शरण उपाध्याय
	(C) डॉ० सत्येन्द्र सुमन (D) डॉ० भोला नाथ तिवारी
31	त्रियर्सन कहकों के रहनिहार रही हैं

	(A) रूस	(B) अमेरिका
	(C) इंग्लैंड	(D) फ्रांस
32	मगध प्रदेश के प्राचीन वैदिक नाम रहे ?	
	(A) कीकट	(B) तिरकट
	(C) विकट	(D) टिकट
33	"भौर हो गइल" ^{पाठ} के विधा ह—	
	(A) कहानी	(B) कविता
	(C) संस्मरण	(D) शैवाचित्र
34	"भौर हो गइल" ^{रचना} के रचनाकार बानी—	
	(A) पांडेय कपिल	(B) राम ^{नाथ} पाठक
	(C) राम नाथ पांडेय	(D) सूर्य देव पाठक
35	"भौर हो गइल" ^{रचना} में कवना समय के वर्णन ह ?	
	(A) रात	(B) दूपहर
	(C) भोर	(D) साँझ
36	"भौर भइला प का खोले के कहाइल ह ?	
	(A) खिड़की	(B) केबाड़ी
	(C) दुआर	(D) कमरा
37	"रूप के हिरन" ^{पाठ} के रचनाकार बानी—	
	(A) ^{डॉ०} परमेश्वर दूबे शाहाबादी	(B) महेन्द्र शास्त्री

	(A) महेन्द्र मिसर	(D) उदय नारायण तिवारी
38	महेन्द्र मिसर जानल जाले -	
	(A) सीधर	(B) पूरबी लोकगीत
	(C) भूमर	(D) विरह
39	'अँचर' के छँह ^{रचना} के विधा ह -	
	(A) रिपोर्ताज	(B) शिकार कथा
	(C) कहानी	(D) लघुकथा
40	'काकी के गहना' ^{रचना} के विधा ह -	
	(A) कविता	(B) कहानी
	(C) यात्रा-वृत्त	(D) आलोचना
41	'काकी के गहना' ^{रचना} के रचनाकार कानी -	
	(A) डॉ० उदय नारायण तिवारी	(B) डॉ० विद्या निवास मिश्र
	(C) डॉ० उषा वर्मा	(D) डॉ० राजेन्द्र प्र० सिंह
42	'अँचर' के छँह ^{रचना} के रचनाकार कानी -	
	(A) राम नाथ पाठक	(B) राम नाथ पांडेय
	(C) उषा वर्मा	(D) रामेश्वर सिंह काश्यप
43	'केकरा खातिर छठ' ^{पाठ} के निरवनिहार कानी -	
	(A) डॉ० श्रीलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव	(B) डॉ० प्रभुनाथ सिंह
	(C) डॉ० राजेन्द्र प्र० सिंह	(D) डॉ० सत्येन्द्र सुमन

44	मानिक और हेरइले के विद्या है —
	(A) लघुकथा (B) रेशम चित्र
	(C) शब्द-चित्र (D) ललित निबंध
45	मानिक और हेरइले ^{रचना} के रचनाकार कौन हैं —
	(A) डॉ. उदय नारायण तिवारी (B) डॉ. विद्या निवास मिश्र
	(C) डॉ. राम नाथ पाठक (D) डॉ. प्रभु नाथ सिंह
46	डॉ. प्रभुनाथ सिंह अनुवाद कइलें कौन हैं —
	(A) गोंजपुरी से रसियन (B) रसियन से गोंजपुरी
	(C) गोंजपुरी से अंग्रेजी (D) अंग्रेजी से गोंजपुरी
47	रामेश्वर सिंह काश्यप रहनिहार रही —
	(A) पटना (B) छपरा
	(C) रोहतास (D) बलिया
48	डॉ. प्रभुनाथ सिंह रहनिहार रही —
	(A) पटना (B) छपरा
	(C) रोहतास (D) बलिया
49	काशी प्रसाद जायसवाल कवना विषय के विद्वान रही हैं ?
	(A) प्राच्य विद्या (B) इतिहास
	(C) हिन्दी (D) भूगोल
50	'सरस्वती' पत्रिका के संपादक रही —

	(A) हजारी प्र० शिवेदी	(B) महावीर प्र० शिवेदी
	(C) रामचंद्र शुक्ल	(D) कवनो ना
51	उपसर्ग कवनो शब्द में लागेला —	
	(A) पहिले	(B) बीच में
	(C) बाद में	(D) केहिलो ना
52	प्रत्यय कवनो शब्द में लागेला —	
	(A) पहिले	(B) बीच में
	(C) अंत में	(D) कही ना
53	'प्रतिमान' में उपसर्ग ह —	
	(A) प्रति	(B) मान
	(C) दूनो	(D) कवनो ना
54	'सच्चाई' में प्रत्यय ह —	
	(A) सच्चा	(B) आई
	(C) दूनो	(D) कवनो ना
55	'हम' कवन पुरुष ह ?	
	(A) उत्तम	(B) मध्यम
	(C) अन्य	(D) तीनु तीनी
56	'लोहनी सत्र' कवन पुरुष ह ?	
	(A) उत्तम	(B) मध्यम

	(C) अन्य	(D) तीन तीनों
57	'कुलौठा' कवन पुरुष है ?	
	(A) उत्तम	(B) मध्यम
	(C) अन्य	(D) कवनोना
58	'सोन नदी' में संज्ञा है -	
	(A) जातिवाचक	(B) व्यक्तिवाचक
	(C) प्रपञ्चवाचक भाववाचक	(D) समूहवाचक
59	'गाय' में संज्ञा है -	
	(A) जातिवाचक	(B) भाव वाचक
	(C) समूहवाचक	(D) प्रपञ्चवाचक व्यक्तिवाचक
60	'श्वटस' में संज्ञा है -	
	(A) जातिवाचक	(B) समूहवाचक
	(C) प्रपञ्चवाचक व्यक्तिवाचक	(D) भाव वाचक
61	'मेला' में संज्ञा है -	
	(A) जातिवाचक	(B) भाव वाचक
	(C) समूहवाचक	(D) प्रपञ्चवाचक प्रपञ्चवाचक
62	'तेल' में संज्ञा है -	
	(A) जातिवाचक	(B) प्रपञ्चवाचक प्रपञ्चवाचक
	(C) भाव वाचक	(D) व्यक्तिवाचक

63	स्वर्ण शब्द है -	(A) तटसम	(B) तद्रूप
		(C) देशज	(D) विदेशज
64	सोना शब्द है -	(A) तटसम	(B) तद्रूप
		(C) देशज	(D) विदेशज
65	लोहराइन शब्द है -	(A) तटसम	(B) तद्रूप
		(C) देशज	(D) विदेशज
66	ऑफिसर शब्द है -	(A) तटसम	(B) तद्रूप
		(C) देशज	(D) विदेशज
67	पिचाली समास है -	(A) तत्पुरुष	(B) बहुव्रीहि
		(C) द्वन्द्व	(D) द्विगु
68	नवरत्न समास है -	(A) तत्पुरुष	(B) नम
		(C) द्वन्द्व	(D) द्विगु
69	दाल-रोटी समास है -		

	(A) तत्पुरुष	(B) नञ
	(C) षष्ठ	(D) द्विगु
70	"अनंत" समास है -	
	(A) तत्पुरुष	(B) नञ
	(C) षष्ठ	(D) द्विगु
71	"वी" कवन लिंग है ?	
	(A) पुलिंग	(B) स्त्रीलिंग
	(C) पुल्लिंग	(D) कवनो ना
72	"दास" कवन लिंग है ?	
	(A) पुलिंग	(B) स्त्रीलिंग
	(C) पुल्लिंग	(D) कवनो ना
73	"नेहा जा रहली है" कइसन वाक्य है ?	
	(A) सरल	(B) मिश्र
	(C) संयुक्त	(D) तीनो कवनो ना
74	"लंबोदर" के संधि-विच्छेद होखी -	
	(A) लं + बोदर	(B) लंब + उदर
	(C) लंबो + दर	(D) लंबोद + र
75	"मजूर" के कवन लक्षणी -	
	(A) मजुरी	(B) मजूरवन

	(C) मजसूम	(D) लीनू लीना
76	'गडूयन' के वचन लक्ष्मी —	
	(A) गाय	(B) गायें
	(C) गौ	(D) सत्र गाय
77	'इंजोरिया' के विलोम शब्द है —	
	(A) अंजोर	(B) अन्हरिया
	(C) पुनिया	(D) अभावस
78	'सागर' के पर्यायवाची शब्द है —	
	(A) चर	(B) गगन
	(C) समुद्र	(D) आग
79	'जेकर अंत ना होखेला, कहाला' —	
	(A) अपूर्य	(B) अपूर्व
	(C) अलख	(D) अनंत
80	'रदन' में कवन स्वर वर्ण है ?	
	(A) अ	(B) व
	(C) स	(D) क
81	'रदन' में कवन व्यंजन वर्ण है ?	
	(A) र	(B) क
	(C) री	(D) म

82	जेकर अर्थ-लोच होखेला, ^उ कहाला —
	(A) सार्थक (B) निरर्थक
	(C) ^{पूनी} (D) कवनो ना
83	जेकर अर्थ-लोच ना होखेला, ^उ कहाला —
	(A) सार्थक (B) निरर्थक
	(C) ^{पूनी} (D) कवनो ना
84	'लचलच' कइसन शब्द ह ?
	(A) सार्थक (B) निरर्थक
	(C) ^{पूनी} (D) कवनो ना
85	'खरप' कइसन शब्द ह ?
	(A) सार्थक (B) निरर्थक
	(C) ^{पूनी} (D) कवनो ना
86	'जलखई' शब्द के अरथ ह—
	(A) ^{भोजन जल बिहार} (B) नींद
	(C) ^{पनपियाँव} (D) ^{सीकू लीनो}
87	'लउर' के समानार्थी शब्द ह—
	(A) आला (B) खनूक
	(C) लाठी (D) तौप
88	'कानी अंगुरी पर पहाड़ उठावल' मुहावरा के अरथ ह—

	(A) कठिन कारण कहल (B) सरल कारण कहल
	(C) असंभव के संभव कहल (D) नकी-वकी कहल
89	'सीमा रवा रहली ह' में काल ह —
	(A) वर्तमान (B) भूत
	(C) अविकृत (D) सीमा कवनो ना
90	'सीमा खडले बाड़ी' में काल ह —
	(A) वर्तमान (B) भूत
	(C) अविकृत (D) कवनो ना
91	'सीमा काले खडहे' में काल ह —
	(A) वर्तमान (B) भूत
	(C) अविकृत (D) सीमा तीनी
92	'गौरकी छोड़ी तेजी से दौड़ली' में क्रिया-विशेषण ह —
	(A) गौरकी (B) छोड़ी
	(C) तेजी से (D) दौड़ली
93	'करिबा बेला दौड़ल जात' में विशेषण ह —
	(A) करिबा (B) बेला
	(C) दौड़ल (D) जात
94	'करिबा बेला दौड़ल जात' में संज्ञा ह —
	(A) करिबा (B) बेला

	(C) दौड़ल	(D) जाता
95	करिबा बँला दौड़ल जाता में क्रिया ह —	
	(A) करिबा	(B) बँला
	(C) दौड़ल	(D) जाता
96	जवन जमीन उपजाऊ हौला, ^उ कहाला —	
	(A) उर्वर	(B) अनुर्वर
	(C) वीजर	(D) मंरुभूमि
97	गुलर के फूल भइल मुधावरा के अरथ ह —	
	(A) सुलभ वस्तु बनल	(B) दुर्लभ वस्तु बनल
	(C) सहज भइल	(D) निर्लज्ज बनल
98	आम के छोट-छोट गाछ कहाला —	
	(A) टिकौला	(B) सीतौला
	(C) आमौला	(D) कलमी
99	आम के छोट-छोट फर कहाला —	
	(A) बिज्जु	(B) टिकौरा
	(C) मालदह	(D) दक्कहरी
100	दू वर्ण के मेल से बनैला —	
	(A) अक्षर	(B) शब्द
	(C) वाक्य	(D) कवनौ ना

1.	कवनों रूगों पर निबंध लिखीं—	1×8=8
	हौली, चुनाव, वादें, अनुशासन, पुस्तकालय	
2	कवनों रूगों गद्य के सप्रसंग व्याख्या करीं—	1×4=4
(क)	मीठुर के अजब मनहूस ^{मनकार} रूक में भर गइल रहे। नीम के फूल के गंध से मातल बेआर ^{अथवा} किमिलाइल फिरत रहे।	
(ख)	जे चरती माता के पाखे आपन शून-पसीना एक करेला, उहे इमानदारी के अन्न खाला, नाही त ई जिमदार बड़का जोक छे।	
3.	कवनों रूगों पद्य के सप्रसंग व्याख्या करीं—	1×4=4
(क)	कहत कबीर सुनु ^{सुनो} सईया - हो, मोरे अबदिय देस। जे गइलै से बहुरलै ना हो, के कइसु सनेस ॥ ^{अथवा}	
(ख)	अंगना तू चटक ललमुनिया अस पुअरा हम बंशी बजाई। कि मन मोर हो गइल खोल फ पुआर मोर हो गइल॥	
4.	कवनों रूगों के पत्र-लेखन करीं—	1×5=5
(क)	पुस्तक खरीदे खातिर बाबूजी लगे ^{रूगों} पतरी लिखीं। ^{अथवा}	
(ख)	बिआह में ^{जाए} आई खातिर प्राचार्य लगे खुट्टी के आवेदन-पत्र लिखीं।	

5.	कवनों पाँच गों प्रश्नों के उत्तर लिखीं—	5x2=10
(i)	निरञ्जुन भक्ति का बारे में बताईं।	
(ii)	त्रियर्सन कवन रहीं?	
(iii)	जौंक केकर प्रतीक ह आ काहे?	
(iv)	फिरंगिया कवन रहने सने?	
(v)	दलित-चेतना का होखेला?	
(vi)	सरभंग-संप्रदाय का बारे में लिखीं।	
(vii)	रामेश्वर सिंह काश्यप का बारे में बताईं।	
(viii)	पूरबी लोकगीत का बारे में लिखीं।	
(ix)	बक्सर काहे खातिर प्रसिद्ध ह?	
(x)	छठ पर्व काहे लोकप्रिय ह?	

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

6.	कवनों तीन गों प्रश्नों के उत्तर लिखीं—	3x5=15
(i)	कवनों पढ़ल कहानी के समीक्षा करीं।	
(ii)	सुओ कवनों एगो कविता के भावार्थ लिखीं।	
(iii)	‘जौंक’ रकाकी के समीक्षा करीं।	
(iv)	ललित निर्वच का होखेला? भानिकभोर हेरइले पर विचार करीं।	
(v)	कबीरदास भोजपुरी के आदिकवि खानी, सिद्ध करीं।	
(vi)	भोजपुरी आंदोलन का बारे में लिखीं।	

कवनों रंगों के संक्षेपण करीं—

1×4=4

4
(क) कवनों देश आकार से ना आत्मा से महान कहाला। ओकरा महान
बनावे में ओकर संस्कीरती के लड़हन यौगदान रहेला। कश्मीर से
कन्याकुमारी तक फैलल आपन देश भारत के संस्कृति आ आत्मा
महान बाटे। एकर बाहरी सुंदरता जतना मनमोहक आ सुन्दर-सुधु
बाटे, ओतना भीतरी सुंदरता भी। हमनी का देश में विविधता में छिपल
रहल ह। सउसे संसार में मानव के वास ह बाकिर भारत देश में
मानवता के वास ह। इहे चलते हमनी का देश विश्व गुरु कहाला।

अथवा

(ख) दौहरा चरित्र के लोग नीक ना होखेलन। उनुकर करनी आ कथनी
में अंतर होखेला। कतना लोग दौहरा चरित्र के बाड़न सेन। आओ
इहे लोग चतुर आ चालाक कहल जा रहल बा। मंच प-चढ़ि के लड़का
-लड़का बात गौजेलन आ काम तनिको ना करस, केकरा ^{काम} ना करैलन।
कवनों संस्था आ देश खातिर अइसन लोग घालक होखेलन।
हमनी का अइसन सुभाव से अपना के बचावे के काम बा। अइसन
लोग आदमी ना पशु से भी बदतर होखेलन।

Moderate
Conke